



कार्य 1 प्रश्न 1 (12 अंक)



निम्नलिखित बहुविध पाठ देखें:



[https://www.youtube.com/watch?app=desktop&v=\\_nnPRnE6GTI](https://www.youtube.com/watch?app=desktop&v=_nnPRnE6GTI) [Accessed 02/09/2021]

प्रश्न 1a (6 अंक)

वीडियो के आधार पर नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।



उचित विकल्प को रिक्त स्थान में लगाएं।

अनुपम

नियम

अभिव्यक्ति

निष्ठा

बाँस/मिट्टी

सरोकार

स्वतंत्रता

धूमधाम

प्रेम

संस्कार

श्रेष्ठ

लकड़ी और मिट्टी

- i. छठ महापर्व दीवाली के छः दिन बाद ..... और .....  
से मनाया जाता है।
- ii. छठ पूजा का ..... पर्व प्रकृति से जुड़ा है।
- iii. .... से बने बर्तन पूजन विधि का अभिन्न अंग हैं।
- iv. यह पर्व अद्वितीय ..... से परिपूर्ण है।
- v. स्वच्छता के महत्व की ..... भी इस त्योहार में समाई है।



वीडियो के आधार पर नीचे दिए गए कथनों को पहचाने कि वह सही है या गलत।

i. छठ में पारम्परिक और आधुनिक नियमों का पालन किया जाता है।

- ☐ सही
- ☐ गलत

ii. प्रकृति के मुख्य अंग सूर्य और जल छठ त्योहार का आधार है।

- ☐ सही
- ☐ गलत

iii. छठ से पूर्व घर और सार्वजनिक स्थलों की सफ़ाई सामूहिक रूप से की जाती है।

- ☐ सही
- ☐ गलत

iv. यह रोग निवारण और अनुशासनहीनता का पर्व है।

- ☐ सही
- ☐ गलत

v. छठ उत्सव सूरज के उदय के महत्त्व को ही दर्शाता है।

- ☐ सही
- ☐ गलत

vi. यह पर्व आस्तिकता का प्रतीक है।

- ☐ सही
- ☐ गलत



**कार्य 1 प्रश्न 2 (10 अंक)**

निम्नलिखित बहुविध पाठ देखें:



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 2a** (2 अंक)

क्या वीडियो के द्वारा वक्ता दर्शकों तक अपनी बात पहुँचाने में सफल हो सका है? आप कितना सहमत हैं और क्यों कोई **दो** कारण बताएँ?





**प्रश्न 2b** (2 अंक)

इस वीडियो को दिखाने के लिए किस प्रकार के दर्शकों की अपेक्षा की जा सकती है और क्यों?





प्रश्न 2c (2 अंक)

वीडियो को बनाने के पीछे निर्माता का मुख्य उद्देश्य क्या है? और क्यों? कोई **दो** कारण बताएँ।







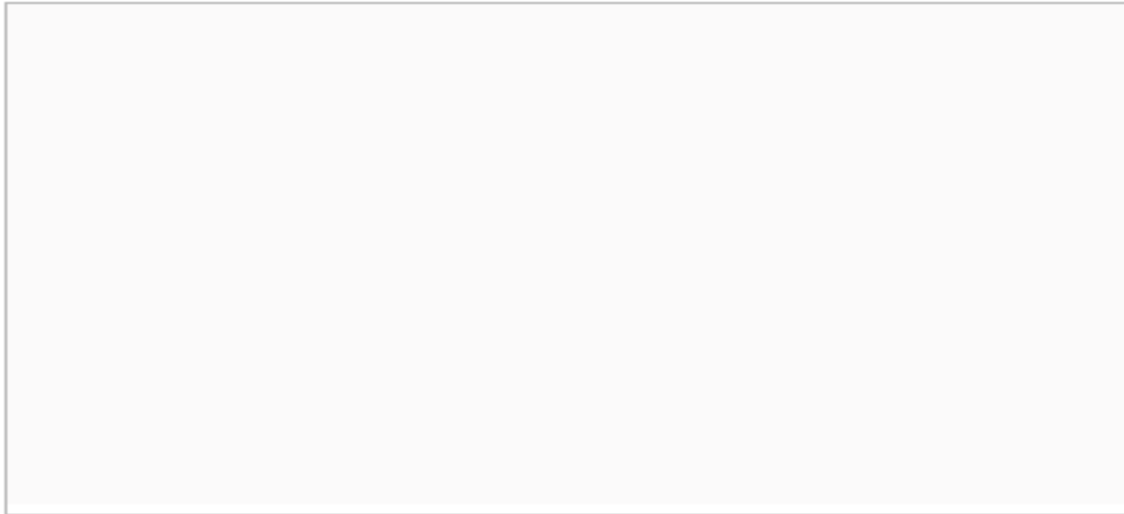
**प्रश्न 2d (2 अंक)**

प्रस्तुत तस्वीर के आधार पर नीचे पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।



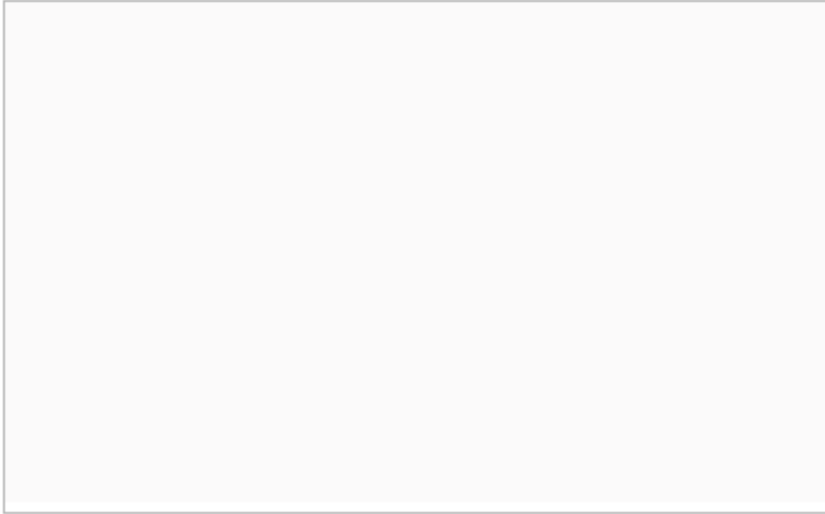
- i. लोगों का जल में खड़े रहना किस बात का प्रतीक है?

ii. चित्र में दिखाए गए समय का पता क्या देखकर चलता है?



ii. कैसे पता चलता है कि नदी में खड़े लोग किस ज़िम्मेदारी का पालन कर रहे हैं?

ii. कैसे पता चलता है कि नदी में खड़े लोग किसी ज़िम्मेदारी का पालन कर रहे हैं?



निम्नलिखित बहुविध पाठ देखें:



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 3a** (2 अंक)

वीडियो के आधार पर बताएँ कि आप तालाब, नदी या समुद्र के किनारे छठ पर्व के पूर्व या उपरांत कब जाना चाहेंगे और क्यों?

A large, empty rectangular box with a light gray background, intended for the user to write their answer.

निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 3a** (2 अंक)

वीडियो के आधार पर बताएँ कि आप तालाब, नदी या समुद्र के किनारे छठ पर्व के पूर्व या उपरांत कब जाना चाहेंगे और क्यों?





**प्रश्न 3b (2 अंक)**

वीडियो में छठ पर्व में “प्रसाद” मांग कर खाने की प्रथा का उल्लेख किया गया है। क्या आप ऐसा करने की सलाह किसी को देंगे? अपने उत्तर द्वारा समझाइए यदि हाँ तो क्यों? यदि ना तो क्यों?

A large, empty rectangular box with a light gray background, intended for the user to write their answer.





**प्रश्न 3c (2 अंक)**

वीडियो में छठ पर्व के द्वारा प्रकृति के महत्व को दर्शाया गया है। आप को उसी प्रकार प्रकृति से जुड़े किसी सामाजिक या धार्मिक अन्य पर्व को मनाने का मौका मिला। अन्य प्रकृति पर्व और छठ पर्व के बीच किन्ही **दो** विभिन्नताओं का उल्लेख करें।





**प्रश्न 3d (2 अंक)**

वीडियो में दिखाई गयी भारतीय परम्पराओं का आपके जीवन पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ा है? किन्ही **दो** बातों का उल्लेख करें।





निम्नलिखित बहुविध पाठ पढ़ें:

**“50वाँ ‘रामपुर लोक कला महोत्सव’ में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।”**



**दिनांक:** २९ से ३१ अगस्त २०२२

**कार्यक्रम स्थल:** महात्मा गांधी कला केंद्र, सिटी सेंटर, रामपुर

**समय:** रात्रि ८ बजे से



**सुप्रसिद्ध पंडवानी लोक गायिका पद्मश्री तीजन बाई से डा० कायनात क्राज़ी की बातचीत के कुछ अंश प्रस्तुत है:**

*प्र०: आज लोक कलाएँ विलुप्त होती जा रही हैं। इस बारे में, आप क्या सोचती हैं?*

उ: नहीं, ऐसा नहीं है कि लोक कलाएँ बिलकुल ही विलुप्त हो रही हैं। मेरे सवा दो सौ शिष्य हैं जो कि देश विदेश में जाकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। मैं समझती हूँ कि नई पीढ़ी में लोक कलाओं के प्रति दिलचस्पी पैदा करने के लिए कलाकारों को उनके बीच जाना चाहिए।

*प्र०: हमारे पाठकों को पंडवानी गायन के बारे में कुछ बताएँ।*

उ: पंडवानी छत्तीसगढ़ की लोक कला है जिसे पहले केवल पुरुष ही गाया करते थे। पंडवानी का अर्थ है पांडववाणी – अर्थात् पाण्डवों की कथा या महाभारत की कथा। इसमें एक मुख्य गायक होता है जो खड़े होकर पूरे हावभाव के साथ गाता है। उसके साथ एक सह-गायक होता है जो हुंकार भरते जाता है और साथ-साथ गाता है। साथ ही, वह रोचक प्रश्नों के द्वारा कथा को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

*प्र०: आप महिलाओं को क्या सलाह देंगी?*

उ: महिलाओं को कोशिश करनी चाहिए कि करियर और परिवार दोनों के साथ चले। जिसके लिए ज़रूरी है कि उनका जीवनसाथी ज़िम्मेदारियाँ बांटे और आगे बढ़ने में उनकी मदद करें।



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 4a** (4 अंक)

**अनुच्छेद 1** में से उस शब्द अथवा वाक्यांश को चुनें जिसका अर्थ निम्नलिखित शब्द है।

i. गायब

ii. अभिव्यक्त

iii. वंशज

iv. रुचि





प्रश्न 4b (4 अंक)

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।



उचित विकल्प को रिक्त स्थान में लगाएं।

जी   से   कि   की   में   तो   में   का

आधुनिक युग ..... लोक कलाओं ..... स्थिति पहले जैसी नहीं रही। रैप और पॉप का प्रचलन बढ़ता जा रहा है जिसके कारण संगीत ..... पुराना रूप कहीं खो सा गया है। आज के कलाकारों की ज़िम्मेदारी है ..... वे संगीत की आत्मा को बचाए रखें।



प्रश्न 4c (4 अंक)

पाठांश के आधार पर **चार** सही वाक्य चुनिए।

चयन ▾

चयन ▾

चयन ▾

चयन ▾

- A. लोक कलाओं का प्रचलन बढ़ता जा रहा है।
- B. कलाकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति देते हैं।
- C. पुरुष ही गाते हैं।
- D. कलाकारों को युवा पीढ़ी से जुड़ना चाहिए।
- E. पंडवानी का अर्थ है पांडव और कौरवों की कहानी।
- F. पंडवानी छत्तीसगढ़ का लोकनृत्य है।
- G. इस गायन में भाव-भंगिमा का कोई स्थान नहीं होता है।
- H. साथी कलाकार सह देते हैं।



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 5a** (1 अंक)

पाठांश की विधा क्या है?

चयन ✓

- A. संवाद
- B. साक्षात्कार
- C. लेख
- D. वार्ता







प्रश्न 5b (1 अंक)

विधा का चुनाव किस आधार पर किया गया है?

A large, empty rectangular box with a thin black border, intended for the user to write their answer.



**प्रश्न 5c** (2 अंक)

आमन्त्रण-पत्रिका के किन्हीं **दो** आकर्षक पहलुओं के बारे में बताएँ?

A large, empty rectangular box with a light gray background, intended for the user to write their answer.



**प्रश्न 5d (2 अंक)**

उपरोक्त पाठांश में तीजन बाई की मनोदशा कैसी है?  
किन्हीं **दो** बातों का उल्लेख करें।





**प्रश्न 5e (2 अंक)**

उपरोक्त पाठांश को पढ़ने के लिए किस प्रकार के पाठकों की अपेक्षा की जा सकती है? और क्यों?

A large, empty rectangular box with a light gray background, intended for the user to write their answer.



**प्रश्न 5f (2 अंक)**

क्या पंडवानी गायन सह कलाकार के बिना अधूरा है?  
यदि “हाँ” तो क्यों और यदि “नहीं” तो क्यों? कोई दो  
कारण दें।



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 6a** (2 अंक)

तीजन बाई से मिलने का मौका मिले तो आप कला से सम्बन्धित और कौन-से सवाल पूछना चाहेंगे और क्यों?





**प्रश्न 6b (2 अंक)**

आप युवा हैं, “नई पीढ़ी में लोक कलाओं के प्रति दिलचस्पी” पैदा करने के लिए तीजन बाई के छात्रों की तरह दूसरे कलाकारों को क्या सलाह देना चाहेंगे?

A large, empty rectangular box with a thin black border, intended for the user to write their answer.



**प्रश्न 6c** (2 अंक)

पद्मश्री तीजन बाई की तरह आप समाज में किस तरह के **दो** बदलावों की अपेक्षा रखते हैं?

A large, empty rectangular box with a light gray background and a thin black border, intended for the user to write their answer.





**प्रश्न 6d (2 अंक)**

तीजन बाई के द्वारा महिला-पुरुष दोनों के लिए दी गयी नसीहत से आप कितना सहमत हैं और क्यों कोई **दो** कारण बताएं?





**प्रश्न 6e** (2 अंक)

अगर आप डा० कायनात क़ाज़ी के स्थान पर होते तो इस बातचीत का अंत कैसे करते? और क्यों?

A large, empty rectangular box with a light gray background and a thin black border, intended for the user to write their answer.



कार्य 1 और कार्य 2 प्रश्न 7 (2 अंक)



वीडियो को देखने और पाठांश को पढ़ने के बाद, आप को क्या लगता है कि आपकी पहचान बनाने में दोनों में से किसका अधिक योगदान रहा और क्यों? तर्क सहित उत्तर लिखें।

[illegible]





अपनी स्कूल पत्रिका में प्रौद्योगिकी में हुए परिवर्तनों और इसने आपकी जीवनशैली को कैसे प्रभावित किया है, इस पर चर्चा करते हुए 400 शब्दों में एक लेख लिखें

शीर्षक: तकनीकी क्रांति को अपनाना: यह हमारे जीवन को कैसे बदल देती है

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, तकनीकी प्रगति हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गई है, जिससे हमारे रहने, काम करने और एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन तक, प्रौद्योगिकी ने हमारी जीवनशैली के लगभग हर पहलू पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, हमारी आदतों, प्राथमिकताओं और दृष्टिकोणों को गहराई से आकार दिया है।

प्रौद्योगिकी द्वारा लाए गए सबसे उल्लेखनीय परिवर्तनों में से एक हमारे संचार करने का तरीका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग ऐप्स और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल के उदय के साथ, दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों के साथ जुड़े रहना इतना आसान कभी नहीं रहा। दूरी अब कोई बाधा नहीं है, क्योंकि हम दुनिया भर के लोगों के साथ तुरंत अपडेट, फोटो और वीडियो साझा कर सकते हैं, जिससे परस्पर जुड़ाव और समुदाय की भावना को बढ़ावा मिलता है जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

इसके अलावा, प्रौद्योगिकी ने हमारे सूचना तक पहुंचने और मीडिया का उपयोग करने के तरीके को बदल दिया है। इंटरनेट ज्ञान का एक विशाल भंडार बन गया है, जो सीखने, अन्वेषण और मनोरंजन के अनंत अवसर प्रदान करता है। बस कुछ ही क्लिक के साथ, हम लगभग किसी भी कल्पनीय विषय पर समाचार, लेख, वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक पहुंच सकते हैं, जो हमें अपने क्षितिज का विस्तार करने और अधिक सुविधा और दक्षता के साथ अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है।

संचार और सूचना पहुंच के अलावा, प्रौद्योगिकी ने हमारे काम करने और अध्ययन करने के तरीके में भी क्रांति ला दी है। डिजिटल उपकरणों और प्लेटफॉर्मों के प्रसार ने दूरस्थ कार्य और ऑनलाइन शिक्षण को तेजी से प्रचलित होने में सक्षम बनाया है, खासकर COVID-19 महामारी के मद्देनजर। आभासी बैठकें, सहयोगी परियोजना प्रबंधन उपकरण और क्लाउड-आधारित भंडारण समाधानों ने व्यक्तियों और टीमों के लिए भौतिक स्थान की परवाह किए बिना उत्पादक और जुड़े रहना संभव बना दिया है।

इसके अलावा, प्रौद्योगिकी में प्रगति ने विभिन्न उद्योगों को बदल दिया है, स्वास्थ्य सेवा, वित्त, परिवहन और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में नवाचार और दक्षता को बढ़ावा दिया है टैलीमेडिसिन और फिनटेक से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और स्ट्रीमिंग सेवाओं तक, नई प्रौद्योगिकियां लगातार हमारे रहने और हमारे आसपास की दुनिया के साथ बातचीत करने के तरीके को नया आकार दे रही हैं।

हालांकि, जबकि प्रौद्योगिकी अनगिनत लाभ और अवसर प्रदान करती है, यह चुनौतियाँ और चिंताएँ भी प्रस्तुत करती है जिनका समाधान किया जाना चाहिए। डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल विभाजन और एल्गोरिथम पूर्वाग्रह जैसे मुद्दे समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

निष्कर्षतः, प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास ने हमारी जीवनशैली को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिससे कनेक्टिविटी, ज्ञान अर्जन और उत्पादकता के अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध हुए हैं। चूंकि हम 21वीं सदी के तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए इनके निहितार्थों के प्रति सचेत रहते हुए इन प्रगतियों को अपनाना आवश्यक है प्रौद्योगिकी की शक्ति का जिम्मेदारी से उपयोग करके, हम लगातार बदलती दुनिया में नवाचार करना, सहयोग करना और फलना-फूलना जारी रख सकते हैं।

लेखक - नाम

साभार - विद्यालय पत्रिका

नवभारत समाचार पत्र

समुदाय पत्रिका



400 शब्दों में वर्षों से संचार के बदलते माध्यम से संबंधित प्रश्न पूछने वाले दादा-दादी का साक्षात्कार लें

Interview grandparents asking questions related to changing means of communication over the years in 400 words.

साक्षात्कारकर्ता: शुभ दोपहर, दादी और दादा वर्षों से संचार प्रौद्योगिकी के बारे में बात करने के लिए आज मेरे साथ बैठने के लिए धन्यवाद। आइए संचार की आपकी शुरुआती यादों से शुरुआत करें। जब आप बड़े हो रहे थे तो यह कैसा था?

दादी: ठीक है, उस समय संचार बहुत आसान था। हमारे पास वे सभी कैंसी मैजेट नहीं थे जो अब आपके बच्चों के पास हैं। हम दूर रहने वाले परिवार और दोस्तों के साथ संपर्क में रहने के लिए हस्तलिखित पत्रों पर बहुत अधिक भरोसा करते थे।

दादाजी: यह सही है। और मेल में पत्र प्राप्त करना हमेशा एक सुखद अनुभव होता था। हर बार ऐसा लगा कि यह एक विशेष अवसर है।

साक्षात्कारकर्ता: ऐसा लगता है जैसे हस्तलिखित पत्रों ने जुड़े रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन लोगों के साथ संचार कैसा रहेगा जो निकट थे?

दादी: हमारे पास लैंडलाइन फोन थे, लेकिन वे हमारे पड़ोस के कई घरों में साझा किए जाते थे। इस समय फ़ोन कॉल करना बहुत बड़ी बात थी, इसलिए हम इसका उपयोग केवल महत्वपूर्ण मामलों के लिए ही करते थे।

दादाजी: और हमें फोन का उपयोग करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। कभी-कभी, हमें कॉल करने के लिए टाइम स्लॉट भी बुक करना पड़ता था।

साक्षात्कारकर्ता: वह आज से काफी अलग रहा होगा, जहां हर किसी के पास अपना मोबाइल फोन है। क्या आप मुझे पिछले कुछ वर्षों में संचार प्रौद्योगिकी में देखे गए परिवर्तनों के बारे में बता सकते हैं?

दादी: ओह, यह काफी लंबा सफर रहा मुझे याद है जब इंटरनेट पहली बार लोकप्रिय हुआ था। अचानक, हम पत्रों के बजाय ईमेल भेज सकते थे, और ऐसा महसूस हुआ जैसे दुनिया हमारी उंगलियों पर थी।

दादाजी: और फिर मोबाइल फ़ोन आये। केवल घर या फ़ोन बूथ से ही नहीं, बल्कि कहीं से भी कॉल करने में सक्षम होना आश्चर्यजनक था। इससे जुड़े रहना बहुत आसान हो गया।

साक्षात्कारकर्ता: इन नई तकनीकों के आने के बाद आपने उन्हें कैसे अपनाया?

दादी: इसकी आदत पड़ने में कुछ समय लगा, यह निश्चित है। लेकिन हम हमेशा नई चीज़ें आजमाने के लिए तैयार थे। हमें कंप्यूटर का उपयोग करना और इंटरनेट नेविगेट करना सीखना पड़ा, लेकिन इससे मिली सुविधा के लिए यह इसके लायक था।

दादाजी: और हमें रसियाँ दिखाने के लिए हमारे पोते-पोतियाँ थे। वे हमेशा हमारे साथ इतने धैर्यवान रहे, उन्होंने हमें ईमेल भेजना और स्मार्टफ़ोन का उपयोग करना सिखाया।

साक्षात्कारकर्ता: अंततः, जब आप छोटे थे तब की तुलना में आज संचार प्रौद्योगिकी पर आपके क्या विचार हैं?

दादी: यह अविश्वसनीय है कि हम कितनी दूर आ गए हैं। प्रौद्योगिकी के साथ अब हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह उस समय की हमारी कल्पना से परे है। लेकिन मुझे कभी-कभी चिंता होती है कि हम इस डिजिटल संचार के साथ कुछ महत्वपूर्ण खो रहे हैं।

दादाजी: मैं सहमत हूँ। किसी के साथ आमने-सामने बैठकर बातचीत करने जैसा कुछ नहीं है। मुझे आशा है कि प्रगति की अपनी खोज में हम इसे नज़रअंदाज़ नहीं करेंगे।

साक्षात्कारकर्ता: मेरे साथ अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए आप दोनों को धन्यवाद। यह सुनना दिलचस्प है कि पिछले कुछ वर्षों में संचार तकनीक कैसे विकसित हुई है और इसने आपके जीवन को कैसे प्रभावित किया है।

Write a speech detailing the advances in technology related to travel in 400 words

यात्रा से संबंधित प्रौद्योगिकी में प्रगति का विवरण देते हुए 400 शब्दों में एक भाषण लिखें.

देवियों और सज्जनों,  
आज आप सभी के समक्ष अपने विचारों को प्रस्तुत करने का जो सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है , उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूँ ।

आज जब हम यहां एकत्र हुए हैं, तो मुझे प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति के बारे में आपसे बात करते हुए सम्मानित महसूस हो रहा है, जिसने हमारी यात्रा के तरीके में क्रांति ला दी है। पहिए के आविष्कार से लेकर अंतरिक्ष युग की शुरुआत तक, अन्वेषण और रोमांच के लिए मानवता की खोज नवीनता और सरलता से प्रेरित रही है।

आइए सबसे पहले परिवहन प्रौद्योगिकी के विकास पर विचार करें। सहस्राब्दियों पहले, हमारे पूर्वज पैदल चलने और जानवरों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों जैसे परिवहन के आदिम रूपों पर निर्भर थे। पहिये के आविष्कार ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया, जिससे वस्तुओं और लोगों की तेज़ और अधिक कुशल आवाजाही संभव हो सकी।

औद्योगिक क्रांति की ओर तेजी से आगे बढ़ते हुए, हमने भाप से चलने वाले लोकोमोटिव और स्टीमशिप के आगमन को देखा, जिससे बड़े पैमाने पर परिवहन और वैश्विक कनेक्टिविटी के युग की शुरुआत हुई। जेम्स वाट द्वारा भाप इंजन के

आविष्कार ने यात्रा को बदल दिया, जिससे पहले आवश्यक समय के एक अंश में विशाल दूरी को पार करना संभव हो गया।

20वीं सदी में, ऑटोमोबाइल और हवाई जहाज के आविष्कार ने परिवहन में एक आदर्श बदलाव लाया। कारों ने व्यक्तिगत गतिशीलता में क्रांति ला दी, जिससे व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से यात्रा करने और अभूतपूर्व स्वतंत्रता के साथ नए क्षितिज तलाशने की अनुमति मिली। इस बीच, हवाई जहाजों ने दुनिया को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया, दूरियाँ कम कर दीं और दूर के महाद्वीपों को कुछ ही घंटों में जोड़ दिया।

लेकिन शायद हाल के दशकों में यात्रा प्रौद्योगिकी में सबसे अधिक परिवर्तनकारी प्रगति हुई है, जो तकनीकी नवाचार की तीव्र गति से प्रेरित है। इंटरनेट और डिजिटल संचार के उदय ने हमारे यात्रा की योजना बनाने, बुकिंग करने और अनुभव करने के तरीके में क्रांति ला दी है। बस कुछ ही क्लिक के साथ, हम अपने घर बैठे ही गंतव्यों पर शोध कर सकते हैं, कीमतों की तुलना कर सकते हैं और आरक्षण कर सकते हैं।

इसके अलावा, विमानन प्रौद्योगिकी में प्रगति ने सुपरसोनिक जेट और वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्रा के विकास को जन्म दिया है, जो एक बार संभव माना जाने वाली सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। स्पेसएक्स और वर्जिन गैलेक्टिक जैसी कंपनियां यात्रा के अगले मोर्चे पर आगे बढ़ रही हैं, जो नागरिकों को पृथ्वी के वायुमंडल से परे यात्रा करने और अंतरिक्ष के चमत्कारों का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

इसके अलावा, इलेक्ट्रिक और स्वायत्त वाहनों का उद्भव परिवहन के भविष्य को नया आकार देने, यात्रा को अधिक टिकाऊ, कुशल और सभी के लिए सुलभ बनाने का वादा करता है। स्व-चालित कारों से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित हाई-स्पीड ट्रेनों तक, संभावनाएं अनंत हैं।

निष्कर्षतः, यात्रा से संबंधित प्रौद्योगिकी में प्रगति ने हमारे घूमने-फिरने और अपने आस-पास की दुनिया का पता लगाने के तरीके को बदल दिया है। पहिले के आविष्कार से लेकर अंतरिक्ष पर्यटन के विकास तक, समय के माध्यम से हमारी यात्रा नवाचार और प्रगति द्वारा चिह्नित की गई है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, आइए हम उन असीमित संभावनाओं को अपनाएं जो प्रौद्योगिकी यात्रा के भविष्य के लिए रखती है और जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखें। एक अच्छे श्रोता बनने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद !

व्यक्तियों की दो पीढ़ियों के बीच पारिवारिक संरचना में वर्तमान और पहले के बदलावों पर चर्चा करते हुए संवाद।

सारा (युवा वयस्क): अरे, दादी, मैं सोच रही हूँ कि पिछले कुछ वर्षों में पारिवारिक संरचनाएँ कैसे बदल गई हैं। यह देखना दिलचस्प है कि जब आप बड़े हो रहे थे तब की तुलना में अब चीज़ें कितनी भिन्न हैं।

दादी: हाँ, सारा, वास्तव में काफी बदलाव हुए हैं। जब मैं छोटा था, तो पारिवारिक संरचना बहुत अधिक पारंपरिक थी। परिवारों में माता, पिता और बच्चों का एक ही छत के नीचे रहना आम बात थी। विस्तृत परिवार के सदस्य अक्सर आस-पास रहते थे और बच्चों के पालन-पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

सारा: यह बहुत अच्छा लगता है। आजकल, ऐसा लगता है कि पारिवारिक संरचनाएँ बहुत अधिक विविध हैं। कई परिवार गैर-पारंपरिक व्यवस्थाओं का विकल्प चुन रहे हैं, जैसे एकल-अभिभावक परिवार, मिश्रित परिवार और सह-पालन व्यवस्था। समान लिंग वाले जोड़ों द्वारा बच्चे पैदा करने की स्वीकार्यता भी बढ़ रही है।

दादी: बिल्कुल, सारा समाज अधिक समावेशी हो गया है और विभिन्न पारिवारिक गतिशीलता को स्वीकार कर रहा है, जो एक सकारात्मक विकास है। हालाँकि, ये परिवर्तन अपनी चुनौतियों के साथ भी आते हैं। उदाहरण के लिए, एकल माता-पिता वाले परिवारों को वित्तीय तनाव और समर्थन की कमी का सामना करना पड़ सकता है, जबकि मिश्रित परिवार एकीकरण और सामंजस्य के मुद्दों से जूझ सकते हैं।

सारा: यह सच है, दादी। दोहरी आय वाले परिवारों के बढ़ने का भी पारिवारिक गतिशीलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। चूंकि माता-पिता दोनों पूर्णकालिक नौकरी करते हैं, इसलिए पारिवारिक संबंधों और एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए अक्सर कम समय होता है। कई परिवार जुड़े रहने के लिए प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं, लेकिन यह आमने-सामने बातचीत का कोई विकल्प नहीं है।

दादी: मैं इससे अधिक सहमत नहीं हो सकती, सारा। प्रौद्योगिकी ने निश्चित रूप से परिवारों के एक-दूसरे के साथ संवाद करने और बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। हालाँकि इसके अपने फायदे हैं, जैसे कि हमें दूरियों से जोड़े रखना, यह परिवारों के भीतर अलगाव और अलगाव की भावना भी पैदा कर सकता है।

सारा: मुझे लगता है कि आप सही हैं, दादी। परिवारों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग और एक साथ बिताए गए गुणवत्तापूर्ण समय के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। आज की तेज़ गति वाली दुनिया में मजबूत पारिवारिक बंधन बनाना और खुले संचार को बढ़ावा देना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

दादी: बिल्कुल, सारा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पारिवारिक संरचनाएं कैसे बदल सकती हैं, हम एक-दूसरे को जो प्यार और समर्थन देते हैं वह निरंतर बना रहता है। परिवार हमारे जीवन की नींव है, और उन रिश्तों को संजोना और पोषित करना आवश्यक है, चाहे वे किसी भी रूप में हों।

सारा: मैं इससे अधिक सहमत नहीं हो सकती, दादी। मेरे साथ अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए धन्यवाद। यह देखना और इस मामले पर आपके दृष्टिकोण को सुनना आंखें खोलने वाला है कि पिछले कुछ वर्षों में पारिवारिक संरचनाएं कैसे विकसित हुई हैं।

दादी: आपका स्वागत है, सारा। आपके साथ ये बातचीत करना हमेशा सुखद होता है। परिवार हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और समय के साथ यह कैसे बदल गया है, इस पर विचार करना महत्वपूर्ण है।

Write a sample blog detailing education over the years in the indian context

भारतीय संदर्भ में पिछले वर्षों की शिक्षा का विवरण देते हुए एक नमूना ब्लॉग लिखें.

शीर्षक: शिक्षा का विकास: भारतीय संदर्भ में समय के माध्यम से एक यात्रा

भारत में शिक्षा का एक समृद्ध और ऐतिहासिक इतिहास है, जो सदियों से विकसित होकर एक गतिशील प्रणाली बन गई है जिसे आज हम जानते हैं प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आधुनिक कक्षाओं तक, भारत में शिक्षा की यात्रा देश के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों को दर्शाती है।

प्राचीन भारत गुरुकुल प्रणाली का घर था, जहाँ छात्र अपने शिक्षकों (गुरुओं) के साथ आश्रमों में रहते थे, और घनिष्ठ व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते थे। ऋग्वेद, खगोल विज्ञान, दर्शनशास्त्र और नैतिकता जैसे विषयों को कृषि, बढ़ईगीरी और युद्ध जैसे व्यावहारिक कौशल के साथ पढ़ाया जाता था। इस प्रणाली ने प्राचीन भारत के श्रद्धेय विद्वानों और विचारकों के लिए नींव रखते हुए समग्र विकास और चरित्र निर्माण पर जोर दिया।

मध्ययुगीन काल के दौरान, इस्लामी प्रभावों के कारण मदरसों की स्थापना हुई, जहाँ धार्मिक शिक्षा और इस्लामी अध्ययन को प्राथमिकता दी गई। इस बीच, भक्ति और सूफी आंदोलनों ने स्थानीय भाषाओं और साहित्य के प्रसार में योगदान दिया, जिससे जनता के बीच साक्षरता में वृद्धि हुई।

औपनिवेशिक युग में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा पश्चिमी शैली की शिक्षा की शुरुआत देखी गई। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों और विश्वविद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के प्रति वफादार शिक्षित अभिजात वर्ग का एक वर्ग तैयार करना था। हालाँकि, स्वदेशी ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत की उपेक्षा करते हुए रटने और याद रखने पर जोर देने के लिए इस शिक्षा प्रणाली की आलोचना की गई।

स्वतंत्रता के बाद, भारत ने शैक्षिक सुधार और विस्तार की यात्रा शुरू की। 1964 के कोठारी आयोग ने अधिक समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा प्रणाली की नींव रखी, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा की वकालत की और व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया।

21वीं सदी में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है, 2009 के शिक्षा अधिकार अधिनियम के साथ 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी गई है। डिजिटल तकनीक के आगमन ने ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, आभासी कक्षाओं के साथ शिक्षण और सीखने में क्रांति ला दी है। और ऑनलाइन संसाधन भौगोलिक सीमाओं के पार शिक्षा तक पहुंच बढ़ा रहे हैं।

आज, भारत एक विविध शैक्षिक परिदृश्य का दावा करता है, जिसमें पारंपरिक स्कूल, सरकार द्वारा संचालित संस्थान, निजी स्कूल, अंतर्राष्ट्रीय स्कूल और विशेष शैक्षिक पहल शामिल हैं। जबकि पहुंच, गुणवत्ता और समानता जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी पहल का उद्देश्य इन मुद्दों को संबोधित करना और 21वीं सदी के शिक्षार्थी की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा प्रणाली को बदलना है।

निष्कर्षतः, भारत में शिक्षा की यात्रा परंपरा, नवाचार और अनुकूलन की समृद्ध छवि को दर्शाती है। प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आज की डिजिटल कक्षाओं तक, शिक्षा सामाजिक गतिशीलता, आर्थिक सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास के लिए उत्प्रेरक रही है। जैसे-जैसे भारत शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए अपनी खोज जारी रखता है, उसे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपनी समृद्ध विरासत से प्रेरणा लेनी चाहिए।



Debate upon the food habits and health concerns of the current generation vs that of your parents.

वर्तमान पीढ़ी बनाम आपके माता-पिता की खान-पान की आदतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर बहस करें।

वाद-विवाद का विषय: खान-पान की आदतें और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ: माता-पिता की पीढ़ी बनाम वर्तमान पीढ़ी

प्रारंभिक वक्तव्य (माता-पिता की पीढ़ी की वकालत):

देवियों और सज्जनों, सम्मानित न्यायाधीशों, मैं आज माता-पिता की पीढ़ी की खान-पान की आदतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की वकालत करने के लिए आपके सामने खड़ा हूँ। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और फास्ट फूड श्रृंखलाओं के पाक परिदृश्य पर हावी होने से पहले के युग में, हमारे माता-पिता अधिक पारंपरिक और पौष्टिक

आहार का पालन करते थे। उनका भोजन ताज़ा, स्थानीय रूप से प्राप्त सामग्री से बने घर के बने व्यंजनों पर केंद्रित था, जिसमें सुविधा से अधिक पोषण और स्वाद को प्राथमिकता दी गई थी। इसके अलावा, कम गतिहीन शगल और अधिक बाहरी खेल के साथ, शारीरिक गतिविधि दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग थी।

परिणामस्वरूप, माता-पिता की पीढ़ी में वर्तमान पीढ़ी की तुलना में मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग की दर कम थी। उन्होंने भोजन और अपने शरीर के साथ एक स्वस्थ संबंध को बढ़ावा देने के लिए संयम, भाग नियंत्रण और मन लगाकर खाने के महत्व को समझा। इसके विपरीत, वर्तमान पीढ़ी खराब आहार विकल्पों और गतिहीन जीवन शैली के कारण जीवनशैली से संबंधित बीमारियों की महामारी से जूझ रही है। फास्ट फूड, प्रसंस्कृत स्नैक्स और शर्करा युक्त पेय पदार्थों के प्रचलन के कारण युवा लोगों में मोटापा, मधुमेह और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ गई हैं। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी के विकास ने शारीरिक गतिविधि में गिरावट में योगदान दिया है, जिसमें आउटडोर खेल और व्यायाम की जगह स्क्रीन टाइम ने ले ली है। यह जरूरी है कि हम अपने माता-पिता की पीढ़ी की बुद्धिमत्ता को पहचानें और उनकी खान-पान की आदतों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक जीवनशैली विकल्पों का अनुकरण करने का प्रयास करें। संपूर्ण भोजन, घर का बना भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता देकर, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा कर सकते हैं।

खंडन (वर्तमान पीढ़ी की वकालत):

जबकि मैं माता-पिता की पीढ़ी की खान-पान की आदतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की खूबियों को स्वीकार करता हूँ, मुझे पोषण और कल्याण के प्रति वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण की भी वकालत करनी चाहिए। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, सुविधा अक्सर पोषण पर हावी हो जाती है, जिसके कारण कई लोग प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और बाहर ले जाने वाले भोजन का विकल्प चुनते हैं। हालाँकि, यह पहचानना आवश्यक है कि वर्तमान पीढ़ी को भोजन विकल्पों में आहार विविधता, स्थिरता और नैतिक विचारों के महत्व के बारे में अधिक जानकारी है। युवा लोगों में पौधे-आधारित आहार, जैविक उत्पाद और सावधानीपूर्वक खान-पान के प्रति रुझान बढ़ रहा है, जो आहार, स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच अंतर्संबंध की गहरी समझ को दर्शाता है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी में प्रगति ने वर्तमान पीढ़ी को पोषण और फिटनेस पर प्रचुर मात्रा में जानकारी और संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम बनाया है, जिससे उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाया गया है। जबकि गतिहीन जीवनशैली और स्क्रीन टाइम महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करता है, वर्तमान पीढ़ी सक्रिय और व्यस्त रहने के लिए योग, क्रॉसफ़िट और वर्चुअल वर्कआउट जैसे नवीन फिटनेस रुझानों को भी अपना रही है। पोषण और कल्याण के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर जिसमें पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक ज्ञान दोनों

शामिल हैं, वर्तमान पीढ़ी एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर रास्ता बना सकती है।

समापन बयान:

निष्कर्षतः, जब खाने की आदतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की बात आती है तो माता-पिता की पीढ़ी और वर्तमान पीढ़ी दोनों के पास देने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि होती है। जहां माता-पिता की पीढ़ी ने घर का बना भोजन, ताजी सामग्री और शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता दी, वहीं वर्तमान पीढ़ी सूचित आहार विकल्प चुनने और नए फिटनेस रुझानों को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठा रही है। दोनों पीढ़ियों की ताकत से सीखकर और परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाकर, हम स्वास्थ्य और कल्याण की एक ऐसी संस्कृति विकसित कर सकते हैं जो पीढ़ियों से परे है।

Write the reason for your migration in a diary in 400 words

अपने प्रवास का कारण एक डायरी में 400 शब्दों में लिखें .

डायरी प्रविष्टि: मेरे प्रवासन का कारण

दिन:

दिनांक :

समय:

स्थान :

प्रिय डायरी,

आज का दिन मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि मैं अपने प्रवासन के कारणों पर विचार कर रहा हूँ। घर की परिचित सुख-सुविधाओं को पीछे छोड़कर एक नई भूमि की यात्रा पर निकलना आनंददायक और चुनौतीपूर्ण दोनों है, लेकिन इस रास्ते पर आगे बढ़ते हुए मैं उद्देश्य और दृढ़ संकल्प की भावना से भर गया हूँ।

प्रवास का निर्णय हल्के में नहीं लिया गया। यह मेरे और मेरे प्रियजनों के लिए विकास, अवसर और बेहतर भविष्य की इच्छा से पैदा हुआ था। बहुत लंबे समय से, मैं अपनी वर्तमान परिस्थितियों की सीमाओं, नए अनुभवों, चुनौतियों और क्षितिज से परे संभावनाओं की चाह में दबा हुआ महसूस कर रहा हूँ।

मेरे प्रवासन का एक प्राथमिक कारण आर्थिक अवसर है। मेरी मातृभूमि में, नौकरी की संभावनाएँ कम हैं, और जीवन यापन की लागत लगातार बढ़ रही है। अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, मैंने स्थिर रोजगार हासिल करने के लिए संघर्ष किया है जो मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सभ्य जीवन स्तर प्रदान करता है। प्रवासन बेहतर नौकरी के अवसर, उच्च वेतन और जीवन की बेहतर गुणवत्ता का वादा करता है, जिससे मैं अपने प्रियजनों की देखभाल कर सकता हूँ और उनका भविष्य सुरक्षित कर सकता हूँ।

इसके अतिरिक्त, प्रवासन व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। मैं नए अनुभव, सांस्कृतिक तल्लीनता और अपने क्षितिज को व्यापक बनाने का अवसर चाहता हूँ। अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर और अज्ञात को अपनाकर, मैं खुद को चुनौती देने, नए कौशल सीखने और दुनिया पर अपने दृष्टिकोण का विस्तार करने की उम्मीद करता हूँ।

इसके अलावा, प्रवासन अधिक स्वतंत्रता और स्वायत्तता की संभावना प्रदान करता है। मेरी मातृभूमि में, सामाजिक और राजनीतिक बाधाएँ अक्सर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्म-अभिव्यक्ति के अवसरों को सीमित कर देती हैं। एक नए देश में प्रवास करके, मैं एक ऐसे समाज में रहने की आशा करता हूँ जो विविधता, सहिष्णुता और व्यक्तिगत अधिकारों को महत्व देता है, जो मुझे प्रामाणिक रूप से जीने और उत्पीड़न या भेदभाव के डर के बिना अपने सपनों को पूरा करने की अनुमति देता है।

अंत में, प्रवासन रोमांच और अन्वेषण की गहरी इच्छा से प्रेरित होता है। नए परिदृश्यों, संस्कृतियों और जीवन के तरीकों की खोज की संभावना मुझे हद से ज्यादा उत्साहित करती है। मैं अपरिचित परिवेश में डूबने, नए रीति-रिवाजों और परंपराओं को अपनाने और विविध पृष्ठभूमि के लोगों के साथ सार्थक संबंध बनाने के लिए उत्सुक हूँ।

जैसे ही मैं इस यात्रा पर निकलता हूँ, मैं भावनाओं के मिश्रण से भर जाता हूँ - आशा, उत्साह, अनिश्चितता और घर की परिचित सुख-सुविधाओं को पीछे छोड़ने पर दुःख की एक झलक। लेकिन सबसे बढ़कर, मैं इस विश्वास से प्रेरित हूँ कि प्रवासन मेरे और मेरे प्रियजनों के लिए एक उज्ज्वल, अधिक संतुष्टिदायक भविष्य की कुंजी है।

प्रत्येक कदम आगे बढ़ने के साथ, मुझे उस साहस और लचीलेपन की याद आती है जिसने मुझे इस क्षण तक पहुंचाया है। आगे चाहे जो भी चुनौतियाँ हों, मैं उनका डटकर सामना करने के लिए तैयार हूँ, इस विश्वास के साथ कि प्रवासन के लाभ जोखिमों से कहीं अधिक हैं।

अब मैं चलता हूँ।

फिर मिलेंगे।

अगली बार तक,

तुम्हारा मित्र,

-----

Make a brochure to save the environment in 400 words

पर्यावरण को बचाने के लिए 400 शब्दों में एक प्रचार - पुस्तिका बनाएँ बनायें

शीर्षक: हमारे ग्रह की रक्षा करें: पर्यावरण को बचाने के लिए कार्रवाई करें

उपशीर्षक: साथ मिलकर, हम फर्क ला सकते हैं

[अंदर फैला हुआ]

परिचय:

पर्यावरण बचाने के हमारे अभियान में आपका स्वागत है! हमारा ग्रह जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनों की कटाई और जैव विविधता के नुकसान के कारण अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है। लेकिन आशा है! सामूहिक कार्रवाई करके और अपने दैनिक जीवन में सरल बदलाव करके, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण कर सकते हैं।

आपको परवाह क्यों करनी चाहिए?

हमारे ग्रह का स्वास्थ्य मनुष्यों, जानवरों और पौधों सहित सभी जीवित प्राणियों पर सीधा प्रभाव डालता है। स्वच्छ हवा और पानी से लेकर समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र और टिकाऊ संसाधनों तक, एक स्वस्थ वातावरण हमारी भलाई और अस्तित्व के लिए आवश्यक है। पर्यावरण की सुरक्षा करके हम अपने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करते हैं।

आप क्या कर सकते हैं?

कम करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें: अपने पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन के तीन आर का अभ्यास करें। एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग कम करें, घरेलू वस्तुओं का पुनर्चक्रण करें और जब भी संभव हो पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुनें।

ऊर्जा बचाएं: अपनी ऊर्जा खपत को कम करने के लिए लाइटें बंद कर दें, इलेक्ट्रॉनिक्स के प्लग हटा दें और ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करें। अपने कार्बन पदचिह्न को और कम करने के लिए सौर या पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश करने पर विचार करें।

प्रकृति का संरक्षण करें: पेड़ लगाएं, स्थानीय संरक्षण प्रयासों का समर्थन करें और प्राकृतिक आवासों और जैव विविधता की रक्षा के लिए सामुदायिक सफाई कार्यक्रमों में भाग लें। प्रत्येक कार्य, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, हमारे ग्रह के बहुमूल्य संसाधनों के संरक्षण में योगदान देता है।

परिवर्तन के पक्षधर: पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाएँ, पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवसायों और नीतियों का समर्थन करें, और सरकारों और निगमों से स्थिरता और संरक्षण प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।

दूसरों को शिक्षित करें: अपने दोस्तों, परिवार और समुदाय के साथ टिकाऊ जीवन जीने के लिए ज्ञान, संसाधन और सुझाव साझा करें। साथ मिलकर, हम दूसरों को इस आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकते हैं और पर्यावरण पर अपना प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

तुरंत हमें संपर्क करें

नाम -

पता-

दूरध्वनि क्रमांक -

आप का साथ तथा सोच दुनिया बदल सकती है ।

Write an email to your parents explaining that you would like to explore new job opportunities that were not available during their time.

प्रति :

प्रेषक :

दिनांक :

विषय: नई नौकरी के अवसर तलाशना

पूजनीय माँ और पिताजी,  
सादर प्रणाम ।

मुझे आशा है कि आप दोनों कुशल होंगे । मैं अपने कैरियर की आकांक्षाओं और नौकरी के नए अवसरों की खोज करने की इच्छा के बारे में आपके साथ एक खुली और ईमानदार बातचीत करने के लिए कुछ समय लेना चाहता था जो शायद आपके समय में उपलब्ध नहीं थे।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मैं उन मूल्यों और कार्य नैतिकता के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जो आपने जीवन भर मुझमें पैदा किए हैं। आपके मार्गदर्शन और समर्थन ने मुझे उस व्यक्ति के रूप में आकार दिया है जो मैं आज हूँ, और आपने मेरे लिए जो कुछ भी किया है उसके लिए मैं अविश्वसनीय रूप से आभारी हूँ।

जैसे-जैसे मैं अपने करियर पथ और पेशेवर लक्ष्यों पर विचार करता हूँ, मुझे एहसास हुआ है कि आज उपलब्ध नौकरी बाजार और अवसर आपके समय के मुकाबले काफी अलग हैं। तकनीकी प्रगति, वैश्वीकरण और बदलते उद्योग परिदृश्यों के कारण दुनिया तेजी से विकसित हो रही है।

इन परिवर्तनों के आलोक में, मैं नई नौकरी के अवसरों की खोज करने पर विचार कर रहा हूँ जो मेरी रुचियों, कौशल और मूल्यों के साथ अधिक निकटता से मेल खाते हों। जबकि मैं अपनी वर्तमान नौकरी की स्थिरता और सुरक्षा को महत्व देता हूँ, मेरा मानना है कि नए क्षेत्र में उद्यम करने से मुझे व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से उन तरीकों से बढ़ने का मौका मिल सकता है जो पहले संभव नहीं थे।



आज के नौकरी बाजार के रोमांचक पहलुओं में से एक प्रौद्योगिकी, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल मीडिया जैसे उभरते उद्योगों में उपलब्ध विकल्पों की बहुतायत है। ये क्षेत्र नवीन और गतिशील भूमिकाएँ प्रदान करते हैं जो रचनात्मकता, सहयोग और सार्थक प्रभाव की अनुमति देते हैं।

मैं समझता हूँ कि नई नौकरी के अवसरों में जोखिम और अनिश्चितताएं आ सकती हैं, और मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि मैंने इन कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार किया है। मैं इस प्रक्रिया को परिश्रम, लचीलेपन और विकास की मानसिकता के साथ अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

इसके अलावा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि नौकरी के नए अवसर तलाशने का मेरा निर्णय मेरी वर्तमान नौकरी के प्रति असंतोष या सराहना की कमी का प्रतिबिम्ब नहीं है। बल्कि, यह मेरी पेशेवर विकास यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि मैं खुद को चुनौती देना, अपने क्षितिज का विस्तार करना और अपने जुनून को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

माँ और पिताजी, मैं आपके इनपुट और मार्गदर्शन को बहुत महत्व देता हूँ, और मुझे इस मामले पर आपके विचार और सलाह सुनना अच्छा लगेगा। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मैं अपने करियर में इस रोमांचक अध्याय को आगे बढ़ाने के लिए आपका साथ देने के लिए आभारी हूँ।

इस ईमेल को पढ़ने के लिए समय निकालने और हमेशा मेरे लिए मौजूद रहने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ व्यक्तिगत रूप से इस पर आगे चर्चा करने के लिए उत्सुक हूँ।

प्यार और कृतज्ञता के साथ,  
[आपका नाम]

अपने मित्र को एक पत्र लिखें जिसमें बताएँ कि आज आपके समुदाय में नौकरी के क्षेत्र किस प्रकार बदल गए हैं और तकनीकी का कामकाज की दुनिया पर कितना प्रभाव पड़ा है ?

[आपका नाम]

[तुम्हारा पता]

[शहर (\*): राज्य (\*): ज़िप कोड]

[मेल पता]

[फ़ोन नंबर]

[तारीख]

[मित्र का नाम]

[मित्र का पता]

[शहर (\*): राज्य (\*): ज़िप कोड]

प्रिय [मित्र का नाम],

आशा है कि यह पत्र मिलने तक आप सकुशल होंगे। मैं आपके साथ यह साझा करने के लिए कुछ समय लेना चाहता था कि हमारे समुदाय में नौकरी के क्षेत्र कैसे विकसित हुए हैं और प्रौद्योगिकी ने काम की दुनिया पर क्या महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

पिछले कुछ वर्षों में, मैंने हमारे समुदाय में नौकरी के परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव देखे हैं। विनिर्माण और कृषि जैसे पारंपरिक उद्योग, जो कभी स्थानीय अर्थव्यवस्था पर हावी थे, उनमें रोजगार के अवसरों में गिरावट देखी गई है। इस बदलाव को स्वचालन, वैश्वीकरण और उपभोक्ता प्राथमिकताओं में बदलाव सहित विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

प्रौद्योगिकी ने वैश्विक और स्थानीय स्तर पर, कार्य की दुनिया को नया आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, दक्षता बढ़ाकर और मैन्युअल श्रम की आवश्यकता को कम करके उद्योगों को बदल दिया है। परिणामस्वरूप, कुछ नौकरी भूमिकाएँ अप्रचलित हो गई हैं, जबकि अन्य तेजी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए उभरी हैं।

हमारे समुदाय में, हमने प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नौकरी क्षेत्रों में वृद्धि देखी है। विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, स्टार्टअप और तकनीकी कंपनियाँ नवाचार चला रही हैं और कुशल श्रमिकों के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं। सॉफ्टवेयर विकास और डेटा विश्लेषण से लेकर डिजिटल मार्केटिंग और साइबर सुरक्षा तक, हमारे समुदाय में प्रौद्योगिकी से संबंधित भूमिकाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है।

इसके अलावा, बढ़ती उम्र की आबादी की जरूरतों को पूरा करने और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रगति के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का विस्तार हुआ है। नर्सों और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासकों से लेकर चिकित्सा शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकीविदों तक, स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले पेशेवरों की मांग बढ़ रही है।

जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन के बारे में चिंताओं के कारण नवीकरणीय ऊर्जा भी एक आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरी है। सौर, पवन और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के अन्य रूपों में नौकरी के अवसर खुल गए हैं, जो स्थिरता और पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति उत्साही व्यक्तियों के लिए रोजगार के विकल्प प्रदान करते हैं।

इन परिवर्तनों के बावजूद, उन चुनौतियों को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है जो प्रौद्योगिकी-संचालित व्यवधान उत्पन्न कर सकती हैं, जिनमें नौकरी विस्थापन, कौशल अंतराल और आय असमानता शामिल हैं। जैसे-जैसे हमारा समुदाय इन परिवर्तनों को अपनाता है, व्यक्तियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे आजीवन सीखना, आवश्यकतानुसार अपस्किल या रीस्किल अपनाएं और अपने संबंधित क्षेत्रों में उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों से अवगत रहें।

निष्कर्षतः, हमारे समुदाय में नौकरी क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुए हैं, प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देने और काम के भविष्य को आकार देने में केंद्रीय भूमिका

निभा रही है। हालाँकि ये परिवर्तन अवसर और चुनौतियाँ दोनों लाते हैं, मैं इस बदलते परिदृश्य में हमारे समुदाय के फलने-फूलने की क्षमता को लेकर आशावादी हूँ।

मैं इस मामले पर आपके विचार सुनने और जल्द ही इस पर विचार करने के लिए उत्सुक हूँ।

नमस्कार,

[आपका नाम]



प्रश्न 1a (6 अंक)

वीडियो के आधार पर नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।



उचित विकल्प को रिक्त स्थान में लगाएं।

डॉक्टर

सिगनल

युनिफॉर्म

अंधी

इलाज

खोज

सड़क

लंगड़ी

परेशानी

देख

लोगों

बीमारी

- i. भैया छोटू को ..... रहे थे।
- ii. भैया छोटू को ..... में देख कर चकित हुए।
- iii. छोटू बहुत दिनों से ..... पर नहीं दिखाई दिया।
- iv. छोटू की अपनी माँ ..... थी।
- v. .... के अनुसार ..... के लिए पैसों की जरूरत थी।



**प्रश्न 1b** (6 अंक)

वीडियो के आधार पर नीचे दिए गए कथनों को पहचाने कि वह सही है या गलत।

i. भैया छोटू के लिए परेशान थे।

- ☐ सही
- ☐ गलत

ii. छोटू और भैया पार्क में मिला करते थे।

- ☐ सही
- ☐ गलत

iii. माँ को वापस लाने के लिए ढेर सारे पैसों की जरूरत थी।

- ☐ सही
- ☐ गलत

iv. छोटू ने माह भर की फ़ीस जमा की थी।

- ☐ सही
- ☐ गलत

v. छोटू बड़ा होकर चिकित्सक बनना चाहता था।

- ☐ सही
- ☐ गलत

vi. भैया ने पूरी पढ़ाई की जिम्मेदारी ले ली थी।

- ☐ सही
- ☐ गलत



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 2a** (2 अंक)

वीडियो की शुरुआत में भैया का छोटू को खोजना किस बात का प्रतीक है? वीडियो के आधार पर **दो** कारण दें।







**प्रश्न 2b** (2 अंक)

वीडियों को ध्यान में रखते हुए बताएं कि इसका लक्षित दर्शक कौन है? वीडियो का उदाहरण देते हुए अपना विचार प्रस्तुत करें।

A large, empty rectangular box with a light gray background, intended for the user to write their answer.



**प्रश्न 2c (2 अंक)**

वीडियो को बनाने के पीछे निर्माता का उद्देश्य क्या रहा होगा और वह उसमें कितना सफल हुआ? तर्कपूर्ण बिन्दुओं का उल्लेख करें।

A large, empty rectangular box with a light gray background and a thin black border, intended for the user to write their answer.

प्रस्तुत तस्वीरों के आधार पर नीचे पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर चुनिए।

### तस्वीर 1



### तस्वीर 2





**प्रश्न 2d** (1 अंक)

छोटू के मुख का भाव (तस्वीर 1) बताता है?

चयन ~

- A. भैया से मिलकर खुश है
- B. सुंदर भविष्य की कल्पना
- C. किसी बात की चिंता नहीं है
- D. निश्चिन्त सब हो जाने का भाव



**प्रश्न 2e** (1 अंक)

छोटू के पीछे का दृश्य (तस्वीर 1) बताता है?

चयन ~

- A. सांस्कृतिक रूप से कमजोर
- B. राजनीतिक रूप से कमजोर
- C. धार्मिक रूप से कमजोर
- D. गरीबी और मजबूरी





**प्रश्न 2f (1 अंक)**

भैया का छोटू को पैसे देना (तस्वीर 2) बताता है?

चयन ~

- A. भीख देना
- B. सहानुभूति
- C. सहायता करना
- D. साथ देना



**प्रश्न 2g (1 अंक)**

भैया का छोटू के कंधे पर हाथ रखना (तस्वीर 2) बताता है?

चयन ~

- A. दुःख बाँटना
- B. सांत्वना देना
- C. हिम्मत देना
- D. प्रोत्साहन देना



निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 3a** (2 अंक)

वीडियो में दिखाए गए दोनों पात्रों में से आप किसका स्थान लेना चाहेंगे और क्यों वीडियो का संदर्भ देते हुए बताएं?





**प्रश्न 3b** (2 अंक)

भैया ने छोटू के लिए क्या किया? यदि आप भैया के स्थान पर होते तो छोटू के लिए क्या करते और क्यों?





**प्रश्न 3c (2 अंक)**

“जो होगा देखा जायेगा!” - छोटू वीडियो में ऐसा क्यों कहता है? आपने ऐसा कब और क्यों सोचा अपने अनुभव के आधार पर बताएँ?







**प्रश्न 3d (2 अंक)**

प्रस्तुत वीडियो में दोनों पात्रों का आपसी सम्बन्ध समाज को क्या सन्देश देता है? आप इससे क्या सीख लेंगे और उसका उपयोग कैसे करेंगे? वीडियो का सन्दर्भ देते हुए बताएं।



**प्रश्न 3e** (2 अंक)

प्रस्तुत वीडियो का कौन-सा हिस्सा आपको यह प्रेरणा देता है कि आप पढ़-लिख कर छोटू की तरह कुछ करें? अपना उदाहरण देते हुए विचार प्रस्तुत करें।

A large, empty rectangular box with a light gray background and a thin black border, intended for the user to write their answer.

निम्नलिखित बहुविध पाठ पढ़ें:



21 सितम्बर, 2012

शुक्रवार।

आज बारिश काफी देर से रुकी। मैं बैग लेकर पाठशाला की ओर भागी और जब पहुँची तो सब “लोमड़ी” की कहानी लिख रहे थे। मुझे तो समझ में ही नहीं आ रहा था कि क्या करना है? थोड़ी देर बाद, जब मैंने डरते-डरते अध्यापिकाजी से पूछा तब उन्होंने कहा - “समीना! कल तुम क्यों नहीं आयी?”

पाठशाला न आने का कारण बताने पर उन्होंने हर दिन पाठशाला आने का महत्त्व समझाया। मैं कहानी पढ़ने लगी। मज़ेदार लगी, तब तक श्याम और सायना ने अपनी कहानी लिख भी ली थी।

इसी बीच रवि और इरफ़ान एक-दूसरे के बाल खींचने लगे। अध्यापिकाजी ने उन्हें डाँटा। इतने में दस मिनट की छुट्टी हो गयी। मैंने शमीम और ममता से बातें की और खूब खेला। दिन कैसे बीत गया पता ही नहीं चला।

शुभरात्रि!

निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 4a** (4 अंक)

**अनुच्छेद 1** में से उस शब्द अथवा वाक्यांश को चुनें जिसका अर्थ निम्नलिखित शब्द है।

i. वर्षा

ii. बस्ता

iii. कथा

iv. भय



प्रश्न 4b (4 अंक)

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।



उचित विकल्प को रिक्त स्थान में लगाएं।

जी   से   कि   की   में   तो   में   ने

अध्यापिका ..... मेरी ओर देखा क्योंकि मैंने उनसे यह पूछ लिया .....  
मुझे कुछ समझ ..... नहीं आ रहा है कि ..... क्या करूँ?



प्रश्न 4c (4 अंक)

पाठांश के आधार पर **चार** सही वाक्य चुनिए।

चयन ▼ चयन ▼ चयन ▼ चयन ▼

- A. शिक्षक ने समझाया।
- B. कुछ छात्र तो कहानी लिख भी चुके थे।
- C. लेखिका कल स्कूल नहीं आयी थी।
- D. पाठशाला आने का कारण बताया।
- E. प्रतिदिन विद्यालय आना जरूरी है।
- F. कहानी लिखने लगी।
- G. कहानी तो रोचक थी।
- H. रवि और इरफ़ान एक-दूसरे के गाल खींच रहे थे।

निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 5a** (1 अंक)

पाठांश की विधा क्या है?

चयन ✓

- A. ब्लॉग
- B. डायरी
- C. लेख
- D. पत्र



प्रश्न 5b (2 अंक)

विधा का चुनाव किस आधार पर किया है पाठांश से कोई दो कारण दीजिए।



प्रश्न 5c (4 अंक)

रेखांकित शब्दों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दें। पाठांश में से वाक्यांशों का प्रयोग करें।

क्रमांक	वाक्यांश	प्रश्न	उत्तर
i.	....महत्त्व समझाया। (परिच्छेद 2)	किसका?	
ii.	....उन्हें डाँटा। (परिच्छेद 3)	कैसे?	
iii.	....और खूब खेला। (परिच्छेद 3)	कौन?	
iv.	....बीत गया (परिच्छेद 3)	क्या?	

Reset





**प्रश्न 5d (3 अंक)**

दी गई तस्वीर स्थान, समय और लेखिका के मनोदशा के बारे में क्या संकेत देती है? गद्यांश और तस्वीर के आधार पर कारण देते हुए बताएँ।





निम्नलिखित प्रश्नों के **उत्तर** दें:



**प्रश्न 6a** (2 अंक)

लेखिका को कक्षा में क्या परेशानी हुई और क्यों?  
अपने उत्तर के पक्ष में पाठांश से बिन्दुओं का समावेश  
करें।





**प्रश्न 6b** (2 अंक)

रवि और इरफ़ान क्या कर रहे थे और इन जैसे छात्रों को आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?





**प्रश्न 6c (2 अंक)**

लेखिका और उनके मित्रों ने विद्यालय में दस मिनट की छुट्टी मिलने पर क्या-क्या किया उससे आप कितना सहमत हैं और क्यों?





**प्रश्न 6d (2 अंक)**

“दिन कैसे बीत गया पता ही नहीं चला।” लेखिका ऐसा क्यों कहती है इस पर आप क्या सोचते हैं और क्यों?





कार्य 1 और कार्य 2 प्रश्न 7 (2 अंक)



“बच्चों का छोटू और लेखिका की तरह विद्यालय जाना आवश्यक है।” यह सन्देश देने में कौन-सा माध्यम सफल रहा और कैसे? वीडियो और गद्यांश का उदाहरण देते हुए तुलना के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

This image shows a blank sheet of white paper with horizontal dashed lines, typical of primary-ruled notebook paper. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.



